बिहार नमन

आपके सिलेक्शन का साथी

सत्यमेव जयते

भारत BUDGET

2026-27

₹

और

आर्थिक समीक्षा

2025-26

- आर्थिक विकास एवं चुनौतियां
- राजकोषीय नीति एवं प्रवंधान
- समावेशी विकास एवं सामाजिक क्षेत्र
- रोजगार, उद्योग एवं निवेश
- कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास
- वैश्विक परिदृश्य एवं भारत

उपयोगी लिए:
प्रतियोगी परीक्षाओं के सभी छात्रों के लिए विशेष

सटीक विश्लेषण | आसान भाषा

BPSC | UPSC
SSC | STATE PCS
& OTHER EXAMS

केंद्रीय आर्थिक समीक्षा 2025-26

तेज विकास, मजबूत आधार और लचीली अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत

स्रोत: PIB

भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत व्यापक आर्थिक आधार, स्थिर नीतिगत समर्थन, नियंत्रित महंगाई, बढ़ते निवेश, मजबूत निर्यात और विस्तृत वित्तीय समावेशन के बल पर उल्लेखनीय गति के साथ आगे बढ़ी है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और व्यापारिक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी लचीलापन क्षमता को सिद्ध किया है।

आर्थिक समीक्षा 2025-26 यह दर्शाती है कि भारत केवल तेज विकास की ओर ही नहीं बढ़ रहा, बल्कि समावेशी, टिकाऊ और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव भी तैयार कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- वित्त वर्ष 2027 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर **6.8% से** 7.2% रहने का अनुमान।
- वित्त वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4% रहने का अनुमान।
- अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान औसत खुदरा महंगाई दर केवल 1.7%, जो ऐतिहासिक रूप से सबसे निम्न स्तरों में से एक है।
- कृषि, उद्योग और सेवा—तीनों क्षेत्रों ने विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात बढ़कर **825.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।
- सेवा निर्यात **387.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के उच्चतम स्तर पर पहुंचा।
- विदेशी मुद्रा भंडार **701.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंचा।
- रेपो दर घटाकर **5.25%** की गई, जिससे निवेश और क्रेडिट प्रवाह को समर्थन मिला।
- प्रत्यक्ष कर संग्रह और जीएसटी संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।
- वित्तीय समावेशन, रोजगार, डिजिटल भुगतान और पूंजीगत व्यय में निरंतर विस्तार हुआ।

प्रस्तावना

भारत वित्त वर्ष 2026 में मजबूत आर्थिक गति के साथ प्रवेश कर चुका है। स्थिर व्यापक आर्थिक नीतियों, बेहतर राजकोषीय प्रबंधन, नियंत्रित मुद्रास्फीति, बढ़ती घरेलू मांग और मजबूत वित्तीय प्रणाली ने अर्थव्यवस्था को स्थायित्व प्रदान किया है।

सरकार की समन्वित राजकोषीय, मौद्रिक और संरचनात्मक नीतियों ने निवेश, खपत, उत्पादन और समावेशन को गति दी है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था न केवल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनी है, बल्कि दीर्घकालिक विकास क्षमता भी मजबूत हुई है।

अर्थव्यवस्था की स्थिति

1. विकास का आउटलुक : जीडीपी और मांग की स्थिति

भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है। प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार—

- वित्त वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर : 7.4%
- सकल मूल्य वर्धित (GVA) वृद्धि दर : **7.3%**

मजबूत कृषि प्रदर्शन से ग्रामीण आय और मांग में सुधार हुआ है, जबकि कर संरचना के सुव्यवस्थीकरण से शहरी खपत में वृद्धि देखी गई है।

भारत की मध्यमकालिक विकास क्षमता को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर **6.8% से** 7.2% रहने का अनुमान है।

महंगाई की स्थिति और भविष्य की संभावनाएं
भारत में खुदरा मुद्रास्फीति ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर पहुंच गई है।

- अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान औसत सीपीआई मुद्रास्फीति : 1.7%
- इसका प्रमुख कारण खाद्य एवं ईंधन कीमतों में नरमी रहा।

प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने 2025 में महंगाई में सबसे तेज गिरावट दर्ज की।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को घटाकर **2.0%** कर दिया, जबकि आईएमएफ ने:

- वित्त वर्ष 2026 : **2.8%**
- वित्त वर्ष 2027 : **4.0%**

मुद्रास्फीति का अनुमान व्यक्त किया है।

अनुकूल आपूर्ति परिस्थितियों, बेहतर कृषि उत्पादन और जीएसटी दरों के सुव्यवस्थीकरण से भविष्य में भी मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की संभावना है।

विकास के क्षेत्रीय कारक
1. कृषि क्षेत्र : ग्रामीण मांग का आधार
कृषि और संबद्ध गतिविधियां भारत की अर्थव्यवस्था में स्थिरता प्रदान करने वाली प्रमुख शक्ति बनी हुई हैं।

- वित्त वर्ष 2026 में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर : **3.1%**
- कृषि जीवीए में पहली छमाही के दौरान : **3.6% वृद्धि**

अनुकूल मानसून और बेहतर फसल उत्पादन ने ग्रामीण आय और मांग को मजबूत किया।

संबद्ध गतिविधियों का प्रदर्शन

- पशुपालन और मत्स्य पालन में : **5-6% स्थिर वृद्धि**
- इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विविधीकरण और स्थायित्व बढ़ा।

2. उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र : तेजी से बढ़ती गति
वित्त वर्ष 2026 में औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि दर **6.2%** रहने का अनुमान है।

पहली छमाही में औद्योगिक वृद्धि:

- वित्त वर्ष 2026 : **7.0%**
- वित्त वर्ष 2025 : **6.1%**
- कोविड-पूर्व औसत : **5.2%**

विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती

विनिर्माण क्षेत्र प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरा—

- पहली तिमाही GVA वृद्धि : **7.72%**
- दूसरी तिमाही GVA वृद्धि : **9.13%**

पीएलआई योजना का प्रभाव

14 क्षेत्रों में लागू उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना के तहत:

- ₹2 लाख करोड़ से अधिक निवेश आकर्षित
- ₹18.7 लाख करोड़ से अधिक अतिरिक्त उत्पादन/बिक्री
- सितंबर 2025 तक 12.6 लाख से अधिक रोजगार सृजित

नवाचार में प्रगति

वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक:

- 2019 : 66वां स्थान
- 2025 : 38वां स्थान

3. सेवा क्षेत्र : विकास का सबसे बड़ा इंजन
सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ बना हुआ है।

- वित्त वर्ष 2026 में सेवा क्षेत्र वृद्धि दर : **9.1%**
- वित्त वर्ष 2025 : **7.2%**

जीडीपी में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी

- जीडीपी में हिस्सेदारी : **53.6%**
- GVA में हिस्सेदारी : **56.4%** (रिकॉर्ड स्तर)

भारत अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में दुनिया का **सातवां सबसे बड़ा निर्यातक** बन चुका है।

- वैश्विक सेवा व्यापार में भारत की हिस्सेदारी:
    - 2005 : 2%
    - 2024 : 4.3%

यह क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता बना हुआ है।

रोजगार और श्रम बाजार
भारत का श्रम बाजार लगातार मजबूत हो रहा है।

बिहार नमन

- वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कुल रोजगार : **56.2 करोड़**
- पहली तिमाही की तुलना में लगभग **8.7 लाख नए रोजगार** सृजित हुए।

प्रमुख श्रम संकेतक

- श्रम बल सहभागिता दर (LFPR) : **56.1%**
- महिला LFPR : **35.3%**
- श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) : **53.4%**
- बेरोजगारी दर घटकर : **4.8%**

संगठित विनिर्माण क्षेत्र

- रोजगार में : **6% वार्षिक वृद्धि**
- 10 लाख से अधिक नए रोजगार

ई-श्रम पोर्टल

- 31 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत
- इनमें 54% से अधिक महिलाएं

राष्ट्रीय कैरियर सेवा (NCS)

- 59 करोड़ से अधिक नौकरी चाहने वाले पंजीकृत
- लगभग 8 करोड़ रिक्तियां दर्ज

व्यापार और निर्यात प्रदर्शन

भारत का निर्यात लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।

- वित्त वर्ष 2025 कुल निर्यात : **825.3 बिलियन डॉलर**
- वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही : **418.5 बिलियन डॉलर**

वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी

- 2005 : 1%
- 2024 : 1.8%

सेवा निर्यात

- वित्त वर्ष 2025 : **387.5 बिलियन डॉलर**
- वार्षिक वृद्धि : **13.6%**

आईटी, वित्तीय और पेशेवर सेवाओं की वैश्विक मांग ने भारत की स्थिति को और मजबूत किया।

बाहरी क्षेत्र और विदेशी मुद्रा भंडार

- विदेशी मुद्रा भंडार : **701.4 बिलियन डॉलर**
- लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने में सक्षम
- बाहरी ऋण का 94% से अधिक कवर

रेमिटेंस

भारत विश्व का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्तकर्ता बना रहा।

- वित्त वर्ष 2025 : **135.4 बिलियन डॉलर**

औद्योगिक उत्पादन

दिसंबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन में उल्लेखनीय तेजी देखी गई।

- IIP वृद्धि दर : **7.8%**
- नवंबर 2025 : **7.2%**

क्षेत्रवार वृद्धि

- विनिर्माण : **8.1%**
- खनन : **6.8%**
- बिजली : **6.3%**

प्रमुख उद्योगों का प्रदर्शन

- कंप्यूटर एवं इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद : **34.9%**
- मोटर वाहन : **33.5%**
- अन्य परिवहन उपकरण : **25.1%**
- सीमेंट : **13.5%**
- इस्पात : **6.9%**

राजकोषीय उन्नति

मजबूत राजकोषीय विश्वसनीयता

भारत को 2025 में तीन प्रमुख वैश्विक एजेंसियों से सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड प्राप्त हुए:

- Morningstar DBRS
- S&P Global Ratings
- R&I Inc.

बिहार नमन

कर संग्रह में सुधार

- केंद्र की राजस्व प्राप्तियां जीडीपी के 9.2% तक पहुंचीं।
- प्रत्यक्ष करों की हिस्सेदारी बढ़कर 58.8% हुई।

आयकर आधार का विस्तार

- आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले:
    - वित्त वर्ष 2022 : 6.9 करोड़
    - वित्त वर्ष 2025 : 9.2 करोड़

जीएसटी संग्रह

- अप्रैल-दिसंबर 2025 : ₹17.4 लाख करोड़
- वार्षिक वृद्धि : 6.7%

पूंजीगत व्यय और राज्यों की भूमिका

- केंद्र का पूंजीगत व्यय जीडीपी के 4% तक पहुंचा।
- राज्यों को विशेष सहयोग योजना (SASCI) के माध्यम से पूंजीगत खर्च बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मौद्रिक और वित्तीय क्षेत्र

रेपो दर में कटौती

आरबीआई ने अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान रेपो दर में कुल 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती की।

- वर्तमान रेपो दर : **5.25%**

नकद आरक्षित अनुपात (CRR)

- घटाकर : **3%**

तरलता प्रबंधन

- ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO) के माध्यम से बड़ी मात्रा में तरलता डाली गई।

बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती

- सकल एनपीए कई दशकों के न्यूनतम स्तर पर।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CRAR) : **17.2%**

बैंक लाभ

- वित्त वर्ष 2025 में लाभ वृद्धि : **16.9%**

एमएसएमई क्रेडिट

- नवंबर 2025 : **21.8% वृद्धि**

वित्तीय समावेशन

आरबीआई का वित्तीय समावेशन सूचकांक:

- मार्च 2024 : 64.2
- मार्च 2025 : 67.0

यह बैंकिंग, बीमा, निवेश और पेंशन सेवाओं की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

पूंजी बाजार और घरेलू निवेश

- वित्त वर्ष 2026 (दिसंबर 2025 तक) प्राथमिक बाजारों से संसाधन जुटाव : ₹10.7 लाख करोड़
- 2022-2026 के दौरान कुल जुटाव : ₹53 लाख करोड़

घरेलू निवेशकों की भागीदारी

- इक्विटी में हिस्सेदारी बढ़कर : **18.8%**
- घरेलू इक्विटी संपत्ति में ₹53 लाख करोड़ की वृद्धि

निष्कर्ष

आर्थिक समीक्षा 2025-26 यह स्पष्ट करती है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत आधार, नियंत्रित महंगाई, बढ़ते निवेश, विस्तृत वित्तीय समावेशन और व्यापक विकास के साथ आगे बढ़ रही है।

कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में संतुलित विकास, मजबूत निर्यात, बेहतर रोजगार संकेतक, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर वित्तीय प्रणाली भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

राजकोषीय अनुशासन, बढ़ते पूंजीगत व्यय, डिजिटल आर्थिक विस्तार और संरचनात्मक सुधारों के कारण भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेज गति से विकसित होने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है।

केंद्रीय बजट 2026-27

विस्तृत मुख्य बिंदु

स्रोत: PIB

वित्त मंत्री **निर्मला सीतारमण** ने 1 फरवरी 2026 (रविवार) को संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 प्रस्तुत किया। यह उनके कार्यकाल का लगातार 9वां बजट था, जिसमें "विकसित भारत" के लक्ष्य के तहत बुनियादी ढांचे, युवाओं, और तकनीकी विकास पर ज़ोर दिया गया है।

यह बजट “विकसित भारत 2047” के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट का मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास को तेज करना, रोजगार बढ़ाना, तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त करना तथा सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

बजट की तीन मुख्य आधारशिलाएँ

1. आर्थिक विकास को गति देना

सरकार ने विनिर्माण, अवसंरचना, तकनीक और निवेश को बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत और प्रतिस्पर्धी बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

2. लोगों की आकांक्षाएँ पूरी करना

युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और मध्यम वर्ग को नई सुविधाएँ देकर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आय में सुधार करने का प्रयास किया गया है।

3. सबका साथ-सबका विकास

सरकार ने क्षेत्रीय असमानता कम करने तथा सभी राज्यों, समुदायों और वर्गों को विकास में समान अवसर देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बजट अनुमान (Budget Estimates)

कुल व्यय

- सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए कुल व्यय ₹53.5 लाख करोड़ निर्धारित किया है। इसमें अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च शामिल है।

गैर-ऋण प्राप्तियां

- सरकार को कर एवं अन्य स्रोतों से ₹36.5 लाख करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है।

शुद्ध कर प्राप्तियां

- केंद्र सरकार की शुद्ध कर प्राप्तियां ₹28.7 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। इससे सरकारी योजनाओं को वित्तीय मजबूती मिलेगी।

बाजार उधारी

- सरकार ₹17.2 लाख करोड़ की सकल बाजार उधारी करेगी, जबकि शुद्ध बाजार उधारी ₹11.7 लाख करोड़ रहेगी।

राजकोषीय घाटा

- राजकोषीय घाटा GDP का 4.3% रहने का अनुमान है। सरकार ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखने का प्रयास किया है।

विनिर्माण एवं औद्योगिक विकास

बायोफार्मा शक्ति योजना

- भारत को वैश्विक बायोफार्मा केंद्र बनाने हेतु ₹10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे दवा अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

नए NIPER संस्थान

- तीन नए राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान स्थापित किए जाएंगे। नए संस्थानों के साथ-साथ पहले से कार्यरत सात NIPER (मोहाली, हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, हाजीपुर और रायबरेली) को भी अपग्रेड किया जाएगा।इससे फार्मा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूती मिलेगी।

क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क

- देशभर में 1000 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे नई दवाओं के परीक्षण में भारत की क्षमता बढ़ेगी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0

- सरकार ने चिप निर्माण, डिजाइन और सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए नया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू करने की घोषणा की है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण

- इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट निर्माण योजना का बजट बढ़ाकर ₹40,000 करोड़ किया गया है। इससे मोबाइल, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा।

दुर्लभ धातु गलियारे

- ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में Rare Earth Corridors बनाए जाएंगे, ताकि रणनीतिक खनिजों का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

कैमिकल पार्क

- तीन नए केमिकल पार्क स्थापित किए जाएंगे जिससे रसायन उद्योग में निवेश और रोजगार बढ़ेगा।

पूंजीगत सामान एवं उद्योग

हाईटेक टूल रूम

- सीपीएसई द्वारा हाईटेक टूल रूम स्थापित किए जाएंगे जो कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण तैयार करेंगे।

कंटेनर विनिर्माण योजना

- भारत में कंटेनर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए ₹10,000 करोड़ की योजना लाई जाएगी। इससे लॉजिस्टिक लागत कम होगी।

CIE योजना

- निर्माण एवं अवसंरचना उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने हेतु नई योजना शुरू होगी।

वस्त्र उद्योग

राष्ट्रीय फाइबर योजना

- सरकार ने प्राकृतिक और कृत्रिम फाइबर में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना की घोषणा की है।

टेक्सटाइल क्लस्टर

- आधुनिक टेक्सटाइल क्लस्टर विकसित किए जाएंगे ताकि रोजगार और निर्यात में वृद्धि हो सके।

मेगा टेक्सटाइल पार्क

- Challenge Mode पर नए मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे जिससे बड़े पैमाने पर निवेश आएगा।

महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल

- खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए नई पहल शुरू की जाएगी।

MSME एवं उद्यमिता

SME Growth Fund

- MSME क्षेत्र को मजबूत बनाने हेतु ₹10,000 करोड़ का फंड स्थापित किया जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत फंड

- ₹2,000 करोड़ का अतिरिक्त समर्थन देकर छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

कॉर्पोरेट मित्र कैडर

- Tier-2 और Tier-3 शहरों में व्यवसायिक सहायता नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

अवसंरचना विकास

सार्वजनिक पूंजीगत व्यय

- सरकार ने अवसंरचना निर्माण हेतु ₹12.2 लाख करोड़ का पूंजी निवेश तय किया है।

जोखिम गारंटी फंड

- बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए ऋण सुरक्षा देने हेतु Infrastructure Risk Guarantee Fund बनाया जाएगा।

समर्पित माल गलियारा

- डानकूनी से सूरत तक नया Dedicated Freight Corridor बनाया जाएगा।

राष्ट्रीय जलमार्ग

- अगले 5 वर्षों में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग शुरू किए जाएंगे।

तटीय कार्गो योजना

- 2047 तक जलमार्ग परिवहन की हिस्सेदारी 12% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

सी-प्लेन योजना

- दूरदराज क्षेत्रों और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए Sea Plane सेवा शुरू होगी।

ऊर्जा एवं पर्यावरण

CCUS तकनीक

- CO_2 - Capture - Utilization - Storage

सरकार ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए Carbon Capture Utilization and Storage तकनीक हेतु ₹20,000 करोड़ आवंटित किए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा

- बैटरी निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई सीमा शुल्क छूट दी गई हैं।

न्यूक्लियर पावर

- न्यूक्लियर परियोजनाओं के लिए आवश्यक सामग्रियों पर सीमा शुल्क छूट 2035 तक जारी रहेगी।

शिक्षा एवं कौशल विकास

शिक्षा से रोजगार समिति

- सेवा क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने हेतु उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी।

Allied Health Professionals

- अगले 5 वर्षों में 1 लाख स्वास्थ्य पेशेवर तैयार किए जाएंगे।

वृद्ध देखभाल

- 1.5 लाख देखभाल सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय टाउनशिप

- औद्योगिक कॉरिडोर के आसपास 5 University Townships विकसित की जाएंगी।

महिला छात्रावास

- प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास बनाए जाएंगे।

आयुष एवं स्वास्थ्य

नए आयुर्वेद संस्थान

- तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित होंगे।

WHO पारंपरिक चिकित्सा केंद्र

- जामनगर स्थित केंद्र को वैश्विक स्तर पर उन्नत बनाया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य

- उत्तर भारत में NIMHANS-2 की स्थापना तथा रांची और तेजपुर संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा।

पशुपालन

पशु चिकित्सक

- ➢ 20,000 से अधिक पशु डॉक्टर उपलब्ध कराए जाएंगे।

निजी पशु चिकित्सा संस्थान

- ➢ निजी क्षेत्र में पशु अस्पताल, प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति

राष्ट्रीय आतिथ्य संस्थान

- ➢ होटल प्रबंधन एवं पर्यटन शिक्षा को मजबूत करने के लिए नया संस्थान स्थापित किया जाएगा।

पर्यटन गाइड प्रशिक्षण

- ➢ 20 पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइडों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

डिजिटल नॉलेज ग्रिड

- ➢ सभी सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों का डिजिटल दस्तावेज तैयार किया जाएगा।

विरासत स्थल विकास

- ➢ लोथल, धौलावीरा, सारनाथ, हस्तिनापुर और लेह पैलेस सहित 15 स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र बनाया जाएगा।

खेल

खेलो इंडिया मिशन

- ➢ अगले दशक में खेल अवसंरचना और प्रतिभा विकास के लिए नई योजना शुरू होगी।

कृषि एवं किसान

उच्च मूल्य कृषि

- ➢ नारियल, काजू, कोको, चंदन और Dry Fruits जैसी फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत-विस्तार AI प्लेटफॉर्म

- ➢ किसानों को बहुभाषीय AI आधारित कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।

मत्स्य एवं जलाशय विकास

- ➢ 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का विकास किया जाएगा।

पूर्वोदय एवं पूर्वोत्तर विकास

पर्यटन एवं परिवहन

- ➢ पूर्वोत्तर राज्यों में 5 नए पर्यटन स्थल और 4000 ई-बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

बौद्ध सर्किट

- ➢ अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध पर्यटन विकसित किया जाएगा।

प्रत्यक्ष कर सुधार

नया आयकर अधिनियम 2025

- ➢ 1 अप्रैल 2026 से नया Income Tax Act लागू होगा।

विदेश यात्रा TCS

- ➢ विदेश यात्रा पैकेज पर TCS दर घटाकर 2% की गई।

संशोधित रिटर्न

- ➢ Updated Return की अंतिम तिथि 31 मार्च तक बढ़ाई गई।

अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क

व्यक्तिगत आयात

- ➢ व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं पर टैरिफ 20% से घटाकर 10% किया गया।

दवाओं पर राहत

- ➢ 17 दवाओं पर सीमा शुल्क हटाया गया।

ई-कॉमर्स निर्यात

- ➢ Courier Export की ₹10 लाख सीमा समाप्त कर दी गई।

नोट: केंद्रीय बजट 2026-27 में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की योग्य विनिर्माण इकाइयों को रियायती दर पर घरेलू शुल्क क्षेत्र में बिक्री की सुविधा प्रदान करने के लिए एक विशेष एकमुश्त उपाय प्रस्तावित किया गया है। ऐसी बिक्री की मात्रा उनके निर्यात के एक निर्धारित अनुपात तक सीमित होगी। 28 फरवरी, 2026 तक भारत में 368 अधिसूचित एसईजेड हैं। 2025-26 (दिसंबर, 2025 तक) में कार्यान्वित एसईजेड से निर्यात 11.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 32.02% की बढ़ोतरी है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) किसी देश के भीतर नामांकित ऐसे क्षेत्र होते हैं, जो व्यापार एवं निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए एक विशिष्ट नियामक एवं वित्तीय ढांचे के अंतर्गत कार्य करते हैं। अतिरिक्त आर्थिक गतिविधि निर्माण करने, निर्यात को प्रोत्साहन देने, घरेलू एवं विदेशी निवेश आकर्षित करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के उद्देश्यों से स्थापित एसईजेड निर्यात-आधारित विकास के इंजन के तौर पर कार्य करते हैं।

एसईजेड एक विशेष रूप से सीमांकित शुल्क-मुक्त क्षेत्र है और इसे अधिकृत संचालन के लिए भारत के सीमा शुल्क क्षेत्र से बाहर का क्षेत्र माना जाता है। एसईजेड इकाइयां वस्तुओं के निर्माण, सेवाओं के प्रावधान और मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्रों के माध्यम से भंडारण सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित की जाती हैं।

भारत में, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) ने आर्थिक परिदृश्य को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मई 2005 में एसईजेड अधिनियम लागू होने के बाद से, इन क्षेत्रों ने निर्यात में बढ़ोतरी को उल्लेखनीय रूप से तेजी प्रदान की है और साथ ही कई क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा दिया है। विदेशी मुद्रा कमाने और बुनियादी ढांचे के निर्माण के अलावा, एसईजेड ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार निर्माण, नए व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र के उद्गमन और बेहतर

सामाजिक-आर्थिक परिणामों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के समग्र विकास में योगदान दिया है।

वर्तमान में, 28 फरवरी, 2026 तक भारत भर में 368 अधिसूचित विशेष औद्योगिक क्षेत्र (एसईजेड) हैं। वित्तीय प्रोत्साहन, सरल नियामक प्रक्रियाओं और आधुनिक बुनियादी ढांचे की पेशकश कर, एसईजेड ने भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर किया है। इन्होंने विशेष औद्योगिक समूहों के विकास को सुगम बनाया है, नवाचार और तकनीकी प्रगति को प्रोत्साहित किया है, और भारत को वैश्विक बाजार में एक आकर्षक और विश्वसनीय निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

निष्कर्ष

केंद्रीय बजट 2026-27 भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक दीर्घकालिक और व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करता है। इसमें विनिर्माण, तकनीक, हरित ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अवसंरचना और रोजगार पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक समावेशन और क्षेत्रीय संतुलन को भी मजबूत करने का प्रयास करता है।

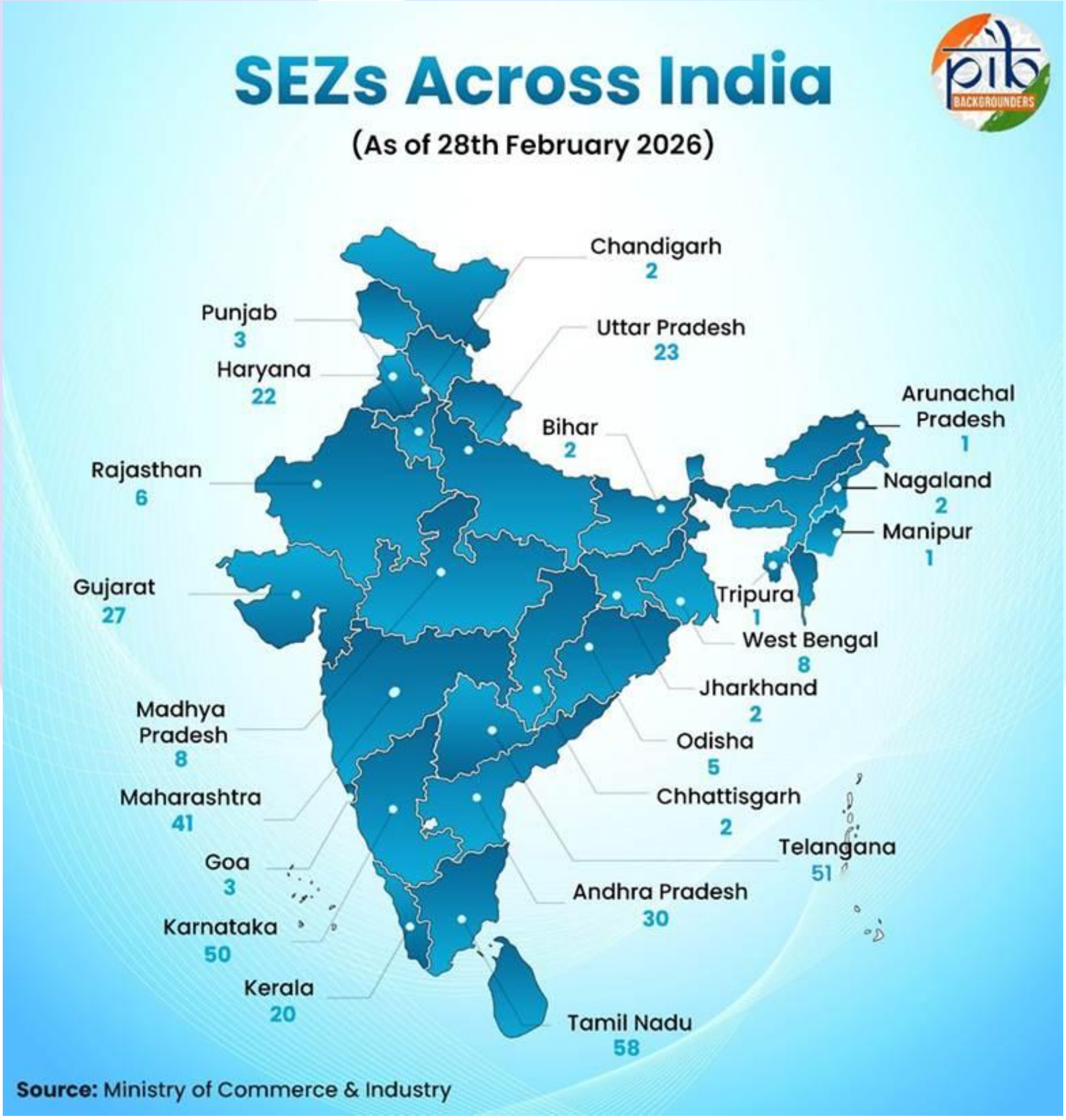

SEZs Across India

(As of 28th February 2026)

Chandigarh
2
Punjab
3
Uttar Pradesh
23
Haryana
22
Arunachal Pradesh
1
Bihar
2
Rajasthan
6
Nagaland
2
Manipur
1
Gujarat
27
Tripura
1
West Bengal
8
Jharkhand
2
Madhya Pradesh
8
Odisha
5
Maharashtra
41
Chhattisgarh
2
Goa
3
Telangana
51
Andhra Pradesh
30
Karnataka
50
Kerala
20
Tamil Nadu
58

Source: Ministry of Commerce & Industry

बिहार नमन

बिहार नमन
आपके सिलेक्शन का साथी

Admission Open

72nd BPSC

Full Length Prelims Test Series

TOTAL TEST- 10

TIMING : 12:00 PM - 2:00 PM

OFFLINE & ONLINE (BILINGUAL)

Starting From : 17 May 2026

FEATURES:

- Detailed Explanation / Solution
- Doubt Session / Mentorship
- Free Current Affairs Class
- Based on latest Pattern of BPSC
- All India Ranking

OFFLINE FEE: ₹1499/-
ONLINE FEE : ₹699/-

MAY 2026

01	TEST-1	17 May 2026
02	TEST-2	24 May 2026
03	TEST-3	28 May 2026
04	TEST-4	31 May 2026

JUNE 2026

05	TEST-5	7 June 2026
06	TEST-6	14 June 2026
07	TEST-7	21 June 2026
08	TEST-8	28 June 2026

JULY 2026

09	TEST-9	5 July 2026
10	TEST-10	12 July 2026

Center 1: Near Dinkar Golambar
Center 2: Phulwari Sharif

Bihar Naman GS
An Institute For UPSC & BPSC

3rd Floor, A. K. Pandey Building, Opp. Nala Road Petrol Pump,
Rajendra Nagar Road No. - 2, Near Dinkar Golambar, Patna - 800016

☎ 8368040065
www.biharnaman.in

बिहार नमन

बिहार नमन

— आपके सिलेक्शन का साथी —

73RD BPSC
MAINS FOUNDATION CLASS

19 MAY 2026

— आपकी तैयारी, हमारा संकल्प —

ADMISSION OPEN NOW

OFFLINE & ONLINE | **2ND BATCH**

OUR TEAM FOR MAINS FOUNDATION

संतोष कश्यप
निदोक, अनतोम्ग्रेय मास्टर
बिहार खंड

प्रकाश सर
Data Interpretation

समीर सर
इतिहास खंड

निर्मल सर
भूगोल एवं
अर्थव्यवस्था

शत्रुघ्न सर
राजनीतिक व्यवस्था

आदित्य सर
विज्ञान एवं प्रगति

शंभु शरण सर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विजय सिंह सर
निबंध

चेतन सर
इतिहास

हमारी टीम में शामिल हैं –

- ✓ संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग के साक्षात्कार दे चुके अनुभवी मेंटर
- ✓ BPSC की लोकप्रिय पुस्तक श्रृंखला “बिहार नमन” के लेखक
- ✓ एक दशक से अधिक अनुभव वाले विषय विशेषज्ञ शिक्षाविद

FEATURES

- ✓ समयबद्ध सम्पूर्ण सिलेबस कवरेज (11 माह)
- ✓ परीक्षा से पूर्व पूर्ण तैयारी
- ✓ स्टडी मटेरियल, नोट्स एवं पुस्तकों
- ✓ 1 to 1 मेंटरशिप
- ✓ MAWP एवं नियमित Test Series

Follow Us :

Bihar Naman GS
An Institute For UPSC & BPSC

3rd Floor, A. K. Pandey Building, Opp. Nala Road Petrol Pump,
Rajendra Nagar Road No.- 2, Near Dinkar Golambar, Patna - 800016

☎ 8368040065
www.biharnaman.in